Syllabus and **Semester** *Course Scheme*
Academic year 2024-26

B.A. – Sanskrit

Exam.-2024 - 2026

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

BACHELOR OF ARTS
SUBJECT - SANSKRIT
SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2024-2026
Course Code : SAN 5117 T

Credits : **06** Period per week- **06**
Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks
Internal Assessment 50 Marks
Total= 150

Continuous Assessment Weightage					**External Assessment Weightage**	**Total Marks (Total Credit)**
Regular Students		**Private Students**		**Total**	Paper Based External Evaluation (End Tarm Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	**50**	100	**150 (06)**

Semester Programme Structure

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Duration of Exam**	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min. Pass Marks**	
	Number	Paper/ Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	1.1	Paper-I SAN 101	पद्य, कथासाहित्य, व्याकरण एवं अलंकार	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	1.2	Paper-II SAN 102	नाटक, काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	1.7& 1.8	Hin107/108 Eng107/108	Genral Hindi/English	1.5Hrs	2		2		50	50		20
II Year/ IIISemester	2.1	Paper-I SAN 201	नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IVSemester	2.2	Paper-II SAN 202	वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	2.7& 2.8	Com207/208 Env207/208	Computer Application/ Environmental Science	1.5 Hrs	2		2		50	50		20
III Year/ V Semester	3.1	Paper-I SAN 301	भारतीय धर्म, दर्शन एवं निबन्ध	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
III Year/ VISemester	3.2	Paper-II SAN 302	काव्य, नीति एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
				Total	**40**	**-**	**40**	**300**	**700**	**1000**		

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्कृत विशय का पाठ्यक्रम प्रारूप निर्मित किया गया है। संस्कृत भाशा की परियशुद्धि एवं परिमार्जन का ज्ञान करवाना तथा उसके शास्वत सिद्धान्तों में कर्तव्यनिष्ठा, लोकादर्श, चरित्र निर्माण, समता, राष्ट्रीयता, अन्ताराष्ट्रीय ज्ञान विज्ञान, प्रकृति पर्यावरण संरक्षण आदि विविध विषयों के माध्यम से मानव समाज का उपकार करना मुख्य ध्येय रखा है

बी.ए. सेमेस्टर प्रथम
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र– पद्य, कथा साहित्य, व्याकरण एवं अलंकार
Paper Code **: SAN 101**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10 2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5 16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – रघुवंशम् 'त्रयोदश सर्ग'
2. इकाई द्वितीय – हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. इकाई तृतीय – लघु सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं सन्धि (अच्, हल् एवं विसर्ग) प्रकरणम्
4. इकाई चतुर्थ – अलंकार – काव्य दीपिका (अष्टमशिखा–भेदोपभेदरहित निम्नांकित अलंकार): अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दृष्टान्त एवं समासोक्ति।
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (रघुवंशम् एवं हितोपदेश)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से एक पद्य और एक गद्य की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2 X 4=8) और (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2X4=8)। इकाई चतुर्थ से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) – गोपाल रघुनाथ – मोतीलाल
2. रघुवंशम् (त्रयोद ासर्ग)– कालिदास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
3. रघुवंशमहाकाव्यम् (त्रयोदशसर्ग)– कालिदास – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, आदर्श प्रकाशन जयपुर
4. हितोपदेश (मित्रलाभ) – प्रो. सुभाष तनेजा वेदालंकार, प्रोफेसर बाबूलाल मीना व डॉ. बृजेंद्र सिंह गुर्जर, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
6. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी

7. हितोपदेश (मित्रलाभ) :– डॉ. रामदेव साहू, श्याम प्रकाशन, जयपुर
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं. भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
9. लघुसिद्धान्त कौमुदी (संज्ञा एवं संन्धि प्रकरण) डॉ. पुष्कर दत्त शर्मा, अजमेरा बुक कम्पनी जयपुर
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. विश्वनाथ भार्मा, आदर्श प्रकाशन जयपुर
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण) – प्रो. सुभाष वेदालंकार व प्रो. बाबूलाल मीना, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
14. सद्वृत्तालंकार – डॉ. हिन्द केसरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

बी.ए. सेमेस्टर द्वितीय
संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व एवं व्याकरण
Paper Code : SAN 102

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10 2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5 16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)'
2. इकाई द्वितीय– कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग
3. इकाई तृतीय – भारतीय संस्कृति के तत्त्व – पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, वर्णाश्रम व्यवस्था, षोड़श संस्कार, पंच महायज्ञ,त्रिविध ऋण, प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
4. इकाई चतुर्थ – लघु सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरणम् (राम, हरि, लता, सर्व, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूपसिद्धि)
5. इकाई पंचम– पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्र न (कुमारसंभवम्, स्वप्नवासवदत्तम् एवं भारतीय संस्कृति के तत्त्व)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या पूछी जायेगी (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2X4=8) और (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2X4=8)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. स्वप्नवासवदत्तम् (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) – जगन्नारायण पाण्डेय
2. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
3. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल– साहित्य सरोवर प्रकाशन, आगरा
4. भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
5. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा– आदर्श प्रकाशन, जयपुर
6. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
7. प्राचीन भारतीय संस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी (सन्धि एवं अजन्त प्रकरण)– डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा, अजमेरा बुक कम्पनी जयपुर
9. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं. भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)

बी.ए. सेमेस्टर तृतीय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र– नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण
Paper **Code : SAN 201**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (एक से चार अंक)
2. इकाई द्वितीय– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पांच से सात अंक)
3. इकाई तृतीय– छन्द प्रकरणम् (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छन्द)
4. इकाई चतुर्थ– संस्कृत साहित्य का इतिहास (वीरकाव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटकसाहित्य, कथासाहित्य)
5. इकाई पंचम– पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (अभिज्ञानशाकुन्तलम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम से और एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई द्वितीय से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या (8 अंक) और दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या (2×4=8)। इकाई तृतीय से दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है, उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ एवं पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
4. छन्दः प्रवेशिका – (प्रभा हिन्दीटीकोपेता) नई दिल्ली।
5. छन्दोमंजरी – सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
8. संस्कृत साहित्य का प्राचीन एवं अर्वाचीन इतिहास – डॉ. रामसिंह चौहान, रितु प्रकाशन, जयपुर
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शमा।

बी.ए. सेमेस्टर चतुर्थ
संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण
Paper **Code : SAN 202**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10 2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5 16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त) 1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. विष्णु (1.154) 4. इन्द्र (2.12) 6. पुरूष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)।
2. इकाई द्वितीय– उपनिशद् (ईशावास्योपनिषद्)
3. इकाई तृतीय– गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. इकाई चतुर्थ– व्याकरण– कारक प्रकरणम्।
5. इकाई पंचम– लघु सिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)– 1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में) 4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. युष्मद् 7. अस्मद् 8. विद्वस्।

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो गद्यांशों को सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) और दो वाक्यों के रेखाकिंत पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन (2×4=8)। इकाई पंचम के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) और (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
2. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
3. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
4. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
5. ईशावास्यापनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
6. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
7. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
8. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. यचवंत कुमार जोची
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्रो
10. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
11. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी

बी.ए. सेमेस्टर पंचम

संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र – भारतीय धर्म, दर्शन एवं निबन्ध

Paper **Code : SAN 301**

समय 3 घंटे पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु पश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – तर्क संग्रह – अन्नम् भट्ट
2. इकाई द्वितीय – श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)
3. इकाई तृतीय – रामायण (सुन्दरकाण्ड 15वां अध्याय)
4. इकाई चतुर्थ – भारतीय दर्शन के सिद्धान्त–निम्नलिखित बिन्दुओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाऐंगे।
   (अ) भारतीय दर्शन की विशेषताएँ (ब) सांख्य दर्शन का सत्कार्यवाद
   (स) योग दर्शन का ईश्वरवाद (द) अद्वैत वेदान्त का मायावाद
   (य) न्याय वैशेषिक में मोक्ष का स्वरूप (र) वैशेषिक दर्शन का परमाणुवाद
   (ल) पूर्वमींमांसा में धर्मस्वरूप (व) चार्वाक की प्रमाण मीमांसा
   (ह) बौद्ध दर्शन का शून्यवाद (च) जैन दर्शन में अनेकान्तवाद
5. इकाई पंचम – (अ) संस्कृत निबन्ध रचना (संस्कृत निबन्ध रचना के विशय निम्न प्रकार है – कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीय संस्कृतिः, संस्कृत भाषायाः महत्त्वं, परोपकारः, सत्संगतिः, विद्यायाः महत्त्वम्, स्त्री–शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्त्वम्)। (ब) पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामान्य प्रश्न (तर्कसंग्रह एवं श्रीमद्भगवद्गीता)।

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से दो वाक्यांशा की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय एवं तृतीय से दो–दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है। इकाई पंचम के दो भाग (अ) किसी एक विशय पर संस्कृत निबन्ध रचना (8 अंक) और (ब) पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य (8 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. तर्क संग्रह – डॉ. रामसिंह चौहान, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
2. तर्क संग्रह– डॉ. चन्द्र भोखर द्विवेदी
3. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
4. श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)– डॉ. यभावन्त कुमार जोभी
5. रामायण–सुन्दरकाण्ड (15वां अध्याय)– डॉ. हिमा गुप्ता
6. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय दर्शन के सिद्धान्त– डॉ. रामप्रकाश सारस्वत
8. संस्कृत निबंध कलिका – प्रो. रामजी उपाध्याय
9. निबंध भातकम् – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
10. संस्कृत निबंध निकुंज – डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी

बी.ए. सेमेस्टर षष्ठ

संस्कृत साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य, नीति एवं व्याकरण

Paper **Code : SAN 302**

समय 3 घंटे पूर्णांक –100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – महाकाव्य – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – नीतिकाव्य – नीतिशतकम्
3. इकाई तृतीय – नीतिकाव्य – विदुरनीति (द्वितीय अध्याय)
4. इकाई चतुर्थ – लघु सिद्वान्त कौमुदी (तिङन्त प्रकरण)–भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, रुध्, तन् एवं चुर्

धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ् लकार।

5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (किरातार्जुनीयम्, नीतिशतकम् एवं विदुरनीति)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। तृतीय इकाई से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) और (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8)। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. विश्वनाथ भार्मा
2. किराताज़नीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. राकेश भाास्त्री
3. नीतिशतकम् – प्रो. सुभाष वेदालंकार, प्रो. बाबूलाल मीना, डॉ बृजेंद्र सिंह गुर्जर, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
4. नीतिशतकम् – डॉ. अंजना सभरवाल
5. नीतिशतकम् – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी
6. विदुरनीति (द्वितीय अध्याय)–डॉ. बृजेंद्र सिंह गुर्जर एवं प्रो. सरोज मीना, किताबगंज प्रकाशन, गंगापुरसिटी
7. विदुरनीति (द्वितीय अध्याय)– डॉ. हिमा गुप्ता, हंसा प्रकाशन, जयपुर
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. स्नातक संस्कृत व्याकरण – प्रो. बाबूलाल मीना, रचना प्रकाशन, जयपुर।